UP Investors Summit 3.0: पश्चिम यूपी के हिस्से 73.14 प्रतिशत निवेश, पूर्वांचल के भी बहुरे दिन; जानिए क्षेत्रवार प्रोजेक्ट्स

Author: **Umesh Tiwari**
Publish Date: Fri, 03 Jun 2022 10:00 PM (IST) | Updated Date: Sat, 04 Jun 2022 06:19 AM (IST)

UP Investors Summit 3.0 योगी आदित्यनाथ सरकार की तीसरी ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी कुल 80224 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का भूमिपूजन हुआ जिसमें सर्वाधिक 73.14 प्रतिशत की हिस्सेदारी पश्चिमांचल की ही रही है। कभी माफियाराज के लिए बदनाम रहे पूर्वांचल के दिन भी बहुरते दिख रहे हैं।

लखनऊ [राज्य ब्यूरो]। UP Investors Summit 3.0: भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार की नीति 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' की है। प्रदेश की अर्थव्यवस्था एक ट्रिलियन डालर बनाने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ी योगी आदित्यनाथ सरकार ने औद्योगिक विकास में क्षेत्रीय समानता लाने का पुरजोर प्रयास किया है। प्रयासों ने भविष्य के लिए आशा की लकीर तो खींची है, लेकिन फिलहाल निवेशकों की पहली पसंद पश्चिमी उत्तर प्रदेश ही है।
योगी आदित्यनाथ सरकार की तीसरी ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी कुल 80,224 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का भूमिपूजन हुआ, जिसमें सर्वाधिक 73.14 प्रतिशत की हिस्सेदारी पश्चिमांचल की ही रही है। कभी माफियाराज के लिए बदनाम रहे पूर्वांचल के दिन भी बहुरते दिख रहे हैं, लेकिन 3.66 प्रतिशत निवेश के साथ बुंदेलखंड अभी काफी पीछे खड़ा है।

उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद वर्ष 2018 में इन्वेस्टर्स समिट आयोजित की गई। इसमें 4.68 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव आए। उन्हें धरातल पर उतारने के लिए सरकार ने दो ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (भूमिपूजन समारोह) का आयोजन किया। पुराने निवेश जमीन पर उतरने के साथ नए निवेश प्रस्ताव भी आते रहे।
इस बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रयासरत रहे कि लंबे समय से पिछड़े रहे बुंदेलखंड और माफियाराज व अपराध के लिए कुख्यात रहे पूर्वांचल में भी औद्योगिक विकास हो। इसके लिए सरकार ने वहां न सिर्फ आधारभूत सुविधाओं को विकास कराया, बल्कि औद्योगिक विकास से संबंधित विभिन्न नीतियों में बुंदेलखंड और पूर्वांचल में निवेश पर विशेष रियायत व अनुदान की व्यवस्था कर दी।

पूर्वांचल में कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए पूर्वांचल एक्सप्रेस बनाया, जो शुरू हो चुका है। बुंदेलखंड के लिए बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे बनाया, जिसका जल्द लोकार्पण होना है। इसके बावजूद दिल्ली से करीबी और बेहतर सड़क संपर्क वाले पश्चिमी उत्तर प्रदेश को ही पहले की तरह अभी भी निवेशकों की सबसे ज्यादा नजर है। कुल 80,224 करोड़ में से पश्चिमांचल में 58,672 करोड़ रुपये की निवेश परियोजनाओं का शिलान्यास हुआ है। यह 73.14 प्रतिशत भागीदारी है।
पूर्वांचल दूसरे स्थान पर है, जहां 9,617 करोड़ रुपये (11.99 प्रतिशत) और मध्यांचल में 8,997 करोड़ रुपये (11.21 प्रतिशत) का निवेश आया है। वहीं, बुंदेलखंड के खाते में सिर्फ 2,938 करोड़ रुपये की परियोजनाएं आई हैं, जो कुल निवेश का मात्र 3.66 प्रतिशत है। हालांकि, सुखद यह है कि सरकार के प्रयासों से कुछ निवेशकों ने उस बदहाल बुंदेलखंड की ओर देखना जरूर शुरू किया है।

क्षेत्रवार निवेश

- क्षेत्र - कुल प्रोजेक्ट्स - निवेश (करोड़ में)
- पश्चिमांचल - 865 - 58,672- 73.14 प्रतिशत
- पूर्वांचल - 290 - 9,617- 11.99 प्रतिशत
- मध्यांचल - 217 - 8,997- 11.21 प्रतिशत
- बुंदेलखंड - 34 - 2,938- 3.66 प्रतिशत
- कुल - 1,406 - 80,224

सेक्टर के अनुसार निवेश

- सेक्टर - कुल प्रोजेक्ट्स - निवेश (करोड़ में)
- डाटा सेंटर - 07 - 19,928
- एग्री एंड एलाइड - 275 - 11,297
- आइटी एंड इलेक्ट्रानिक्स - 26 - 7,876
- आधारभूत ढांचा - 13 - 6,632
- उत्पादन - 27 - 6,227
- हथकरघा व कपड़ा - 46 - 5,642
- अक्षय ऊर्जा - 23 - 4,782
- एमएसएमई - 805 - 4,459
- हाउसिंग एंड कामर्शियल - 19 - 4,344
- हेल्थकेयर - 08 - 2,205
- डिफेंस एंड एयरोस्पेस - 23 - 1,773
- वेयरहाउसिंग एंड लाजिस्टिक्स - 26 - 1,295
- शिक्षा - 06 - 1,183
- फार्मास्युटिकल एंड मेडिकल सप्लाई - 65 - 1,088
- पर्यटन व सत्कार - 23 - 680
- डेयरी - 07 - 489
- पशुपालन - 06 - 224
- फिल्म एंड मीडिया - 01 - 100
- कुल - 1,406 - 80,224

निवेश का दायरा

- रेंज - कुल प्रोजेक्ट्स - निवेश (करोड़ में)
- 500 करोड़ से अधिक - 29 - 40,106
- 200 से 500 करोड़ के बीच - 52 - 15,614
- 50 करोड़ से अधिक व 200 करोड़ से कम - 112 - 11,271
- 10 करोड़ से अधिक व 50 करोड़ से कम - 230 - 5,068
- 10 करोड़ से कम - 972 - 2,757
- सपोर्टिंग इंफ्राट्रक्चर प्रोजेक्ट्स - 11 - 5,408
- कुल - 1,406 - 80,224